आजादी का अमृत महोत्सव की श्रंखला के अन्तर्गत विभिन्न विशेष कार्यक्रम

चन्द्रशेखर आजद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्ववविद्यालय कानपुर

आजादी का अमृत महोत्सव

(पुस्तिका वर्ष–2022)

संपादक मंडल

डा0 डी0आर0 सिंह,
कुलपति
चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौ0वि0वि0, कानपुर

डा0 अरविन्द कुमार सिंह, समन्वयक
प्रसार निदेशालय
चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौ0वि0वि0, कानपुर

तकनीकी सहयोग : श्री विवेक कुमार दुबे
कृषि विज्ञान केन्द्र, थरियांव, फतेहपुर

प्रकाशक : प्रसार निदेशालय
चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौ0वि0वि0, कानपुर।

प्रसार निदेशालय
चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर

आजादी का अमृत महोत्सव भारत सरकार की एक पहल है जो प्रगतिशील भारत के 75 साल और इसके लोगो, संस्कृति और उपलब्धियों के गौरवशाली इतिहास को मनाने और मानने के लिए है। यह महोत्सव भारत के नागरिकों, वैज्ञानिकों, सैनिकों, कृशकों इत्यादि को समर्पित है, जिन्होंने न केवल भारत को अपनी विकासवादी यात्रा में लाने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है बल्कि भारत को एक विकसित राश्ट्र की संज्ञा दिलायी है। आजादी का अमृत महोत्सव भारत की सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक पहचान के बारे प्रगतिशील विचारधारा का समावेश है। आजादी का अमृत महोत्सव की अधिकारिक यात्रा 12 मार्च, 2021 से 15 अगस्त, 2022 तक है। आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत विष्वविद्यालय द्वारा कृशि, कृशि षिक्षा एवं अनुसंधान व कृषकों के योगदान सम्मान देने हेतु विश्वविद्यालय प्रांगण व अपने अधीन संचालित कृषि विज्ञान केन्द्रों में निम्नांकित कार्यक्रमों का आयोजन किया गया–

१. 75वाँ स्वतंन्त्रता दिवस : आजादी का अमृत महोत्सव

75वें स्वतंतत्रा दिवस के सुअवसर पर विश्वविद्यालय के अधीन संचालित समस्त कृषि विज्ञान केन्द्रों पर स्वतंतत्रा दिवस आजादी का अमृत महोत्सव के रूप में बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर प्रत्येक केन्द्र पर एक गोष्ठी कार्यक्रम आयोजित किया गया। कुलपति डा0 डी0आर सिंह के निर्देशानुसार समस्त कृषि विज्ञान

केन्द्रों में आजादी का अमृत महोत्सव पर किसान सम्मान का भी आयोजन कर चयनित 13 जनपद के कुल 120 प्रगतिशील कृषकों–94 / महिला कृषकों–26 को सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर कुल 755 कृषकों एवं महिला कृषकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस कार्यक्रम में केन्द्रों पर जनपद के जिलाध्यक्ष, जिला प्रमुख, विधायक, ब्लाक प्रमुख, जिलाधिकारी, सी0डी0ओ0, डी0ए0ओ0 आदि कृषि विभाग के अधिकारी गणों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति में किसानों को सम्मानित किया।

२. विश्व खाद्य दिवस

भोजन को हर व्यक्ति का मौलिक और बुनियादी अधिकार मानते हुए कृषकों, कृषक महिलाओं को न केवल भूख बल्कि सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी से जागरूक करने हेतु विश्वविद्यालय अन्तर्गत 15 कृषि विज्ञान केन्द्रों में विश्व खाद्य दिवस का आयोजन किया गया। वर्ष 2021 की थीम हमारे कार्य हमारा भविष्य के अन्तर्गत बेहतर उत्पादन, बेहतर पोषण, बेहतर पोषण, बेहतर वातावरण और परिणामतः बेहतर जीवन हेतु जागरूक करने के साथ कुपोषण से निपटने और स्वस्थ आहार सुनिश्चित करने हेतु प्रेरित करते हुए ठोस कदम उठाये। कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा 16 अक्टूबर, 2021 को विश्व खाद्य दिवस मनाया गया। जिसमें समस्त केवीके पर कुल 875 महिला कृषकों/आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों ने प्रतिभाग किया ।

3. आँगनवाडी कार्यकत्रियों का प्रशिक्षणः

ऑगनवाडी छोटे बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य एवं शिक्षा, किशोर युवतियों, गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य से सम्बन्धित आवश्यकताओं की पूर्ति करने हेतु प्रत्येक ग्राम में

एक आंगनवाड़ी केन्द्र व 500 से कम जनसंख्या वाले गॉव में मिनी आंगनवाड़ी स्थित हैं। आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को उन्नत तकनीकियों को अर्न्तनिर्दिष्ट करने हेतु समय–समय पर आंगनवाडी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन होता है। इसी श्रृंखला में माननीय कुलाधिपति एवं राज्यपाल उत्तर प्रदेश शासन के मंशा पर माननीय कुलपति डा0 डी0 आर0 सिंह के दिशा निर्देश पर विश्वविद्यालय अन्तर्गत कृषि विज्ञान केन्द्रों पर एक साथ दो दिवसीय आंगनवाड़ी कार्यकत्री प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के महत्वपूर्ण बिन्दु निम्नांकित हैं।

- ✓ बाल पुष्टाहार व महिला पोषाहार।
- ✓ परिवार के सदस्यानुसार सन्तुलित थाली।
- ✓ सहजन का पोषकीय मान।
- ✓ खाद्य प्रसंस्करण।
- ✓ कुपोषण निवारण हेतु गृह वाटिका। मोटे अनाजों द्वारा पोषण प्रबंधन।
- ✓ भोजन पकाने में पोषक तत्वों की हानि से बचाव।

४. अमृत महोत्सवः पर्यावरण संरक्षण एवं शुद्ध आक्सीजन पोषक पीपल वृक्षारोपण एवं जागरूकता अभियान

कोरोना वायरस के कहर में हजारो लोगों ने आक्सीजन की कमी की वजह दम तोड़ा ऐसे में प्राकृतिक आक्सीजन सैचुरेशन लेवेल को बढ़ाया जा सकता है। पीपल का पेड़ में जितनी अधिक गर्मी पड़ती है उतनी अधिक पत्ती आती है। इससे वह आक्सीजन गैस उत्सर्जित करता है, जिससे स्वस्थ लोगों को आक्सीजन मिलती है और शोधों के अनुसार पीपल वृक्ष जिस क्षेत्र में अधिक होते हैं। वहाँ का औसत तापमान सामान्य अन्य क्षेत्रों की तुलना में 3–4 डिग्री कम होता है। पीपल की महत्ता

को समझते हुए विश्वविद्यालय द्वारा 4821 पीपल विश्वविद्यालय व के0वी0के0 प्रांगण में एक अभियान के तहत रोपे गये।

५. विश्व मौन पालन दिवस (राष्ट्रीय अभियान के अंतर्गत ग्रामीण आय बढ़ाने हेतु मधुमक्खी पालन पर वेबीनार)

सदियों से मधुमक्खियों ने ग्रह पर सबसे कठिन काम करने वाले प्राणियों में से लोगों, पौधों और पर्यावरण को लाभान्वित किया है। पराग को एक फूल से दूसरे फूल तक ले जाकर मधुमक्खियों और अन्य परागकर्ता न केवल फलों, नट और बीजों की बहुतायत का उत्पादन करने में सक्षम होते हैं, बल्कि अधिक विविधता और बेहतर गुणवत्ता वाले खाद्य सुरक्षा और पोषण में योगदान करते हैं। दुनिया भर में प्रमुख खाद्य फसलों में से 87 के उत्पादन में

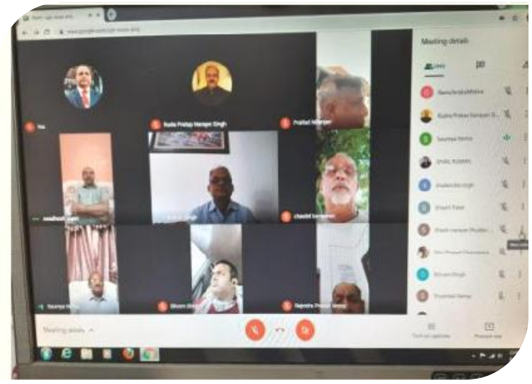

वृद्धि साथ ही कई पौधों से प्राप्त दिवस पर Webinar का आयोजन कर कृषकों, वैज्ञानिकों को मधुमक्खियों के संरक्षण हेतु प्रेरित किया गया। 20 मई, 2021 को समस्त केन्द्रों पर आयोजित इस वेबीनार में 380 प्रतिभागियों ने आनलाइन प्रतिभाग किया।

६. विश्व दुग्ध दिवस

स्वास्थ्य के दूध के महत्व को दर्शाने एवं दूध को दर्शाने एवं दूध को वैश्विक भोजन के रूप में मान्यता

देने हेतु 1 जून 2021 को विश्व दुग्ध दिवस के उपलक्ष्य में कृषि विज्ञान केन्द्रों पर Webinar का आयोजन डेयरी या दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में स्थिरता, आजीविका और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया। कार्यक्रम की थीम पर्यावरण, पोषण और सामाजिक आर्थिक सशक्तिकरण के साथ–साथ डेयरी में स्थिरता पर केन्द्रित थी। समस्त केन्द्रों द्वारा 01 जून, 2021 को वेबीनार आयोजित कर विश्व दुग्ध दिवस को मनाया। इस वेबीनार में 513 प्रतिभागियों ने आनलाइन प्रतिभाग किया।

७. विश्व पर्यावरण दिवस (वेबीनार एवं वृक्षारोपण)

मानव और पर्यावरण एक दूसरे पर निर्भर होतें हैं। पर्यावरण जैसे जलवायु प्रदूषण या वृक्षों का कम होना मानव शरीर और स्वास्थ्य पर सीधा असर डालता है। पर्यावरण के जैविक संघटकों मे सूक्ष्म जीवाणु से लेकर सभी जीव जंतु और पेड़ पौधों के अलावा उनसे जुड़ी सारी जैव क्रियायें और प्रक्रियायें आती हैं। पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण संरक्षण एवं जैव क्रियाओं के संचालन सम्बन्धी जागरुकता हेतु विश्वविद्यालय आधीन कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा Webinar का आयोजन किया गया। 05 जून, 2021 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर को आयोजित इस वेबीनार में लगभग 200 प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया साथ ही प्रक्षेत्र एवं कृषक प्रक्षेत्रों पर वृक्षारोपण भी किया गया।

८. ७५वें अमृत महोत्सव के अवसर पर प्रगतिशील कृषक प्रोत्साहन

भारतीय कृषि देश की 129 करोड़ जनसंख्या को भोजन तथा 36 करोड़ पशुओं को चारा प्रदान करती है। देश के महत्वपूर्ण उद्योग कच्चे माल के लिए कृषि पर ही निर्भर है। सूती वस्त्र चीनी, जूट, वनस्पति तेल व चाय काफी इत्यादि ऐसे ही पशुपालन समस्त राष्ट्रीय आय का 7.8 प्रतिशत भाग है। इन सबका श्रेय हमारे अन्नदाता किसान को जाता है। किसानो के योगदान को विश्वविद्यालय द्वारा सम्मान करने हेतु प्रगतिशील कृषक प्रोत्साहन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 15 अगस्त, 2021 को केन्द्रों पर भव्यता के साथ आयोजन कर तथा प्रगतिशील कृषक/ महिला कृषकों को सम्मानित किया गया, इस कार्यक्रम में 755 ने प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

9. अमृत महोत्सवः मा० प्रधानमंत्री का उद्‌बोधन, कृषक-वैज्ञानिक संवाद

उत्तर प्रदेश की आय में कृषि तथा पशुपालन द्वारा सर्वाधिक 41.5 योगदान प्राप्त होता है। कृषि प्रदेश की अर्थ व्यवस्था का मेरूदण्ड है। राज्य के कुल कर्मकारों में कृषि कर्मकारों का योगदान 65.9 प्रतिशत है। ऐसे में कृषि कार्यों में किसी समस्या का सामना करना हो तथा उत्पादन में जनसंख्या अनुरूप वृद्धि हो, इन्ही उद्देश्यों की आपूर्ति हेतु कृषक वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम का आयोजन कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा की गई। उत्तर प्रदेश में औसत भूमि का आकार 0.9 हे0 है, जो कृषि की प्रगति में एक प्रमुख अवरोध है, इसके बावजूद देश का 40–45 प्रतिशत आलू उत्तर प्रदेश में उत्पादित होता है। वहीं देश का 35 प्रतिशत गेहूँ का उत्पादन उत्तर प्रदेश में होता है और यह प्रदेश के कृषकों एवं वैज्ञानिकों के प्रयासो का ही प्रतिफल है।

१०. अमृत महोत्सवः खाद्य, पोषण एवं सुरक्षा

सुपर फूड मोटे अनाजों का मनुष्य के स्वास्थ्य पर प्रभाव विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

एक अनुमान के मुताबिक देश में कुल खाद्यान्न उत्पादन में मोटे अनाज की हिस्सेदारी 40 प्रतिशत है। इनका उत्पादन कम पानी व कम उपजाऊ जमीन पर भी किया जा सकता है। ये फसलें जलवायु अनुकूल कठोर अत्याधिक योगदान देती है। सामान्यत– कम वर्षा वाले क्षेत्रों में टिकाऊ कृषि एवं खाद्य सुरक्षा समझते हुए उत्तर प्रदेश में इनके उत्पादन एवं उपभोग को बढावा देने हेतु विश्वविद्यालय

अधीन 13 कृषि विज्ञान केन्द्रों में एक साथ दो दिवसीय महिला प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। केन्द्रों पर 16–17 अगस्त, 2021 में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 604 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

इस क्रम में 26 अगस्त, 2021 को समस्त केन्द्रों पर एक

❖ गोष्ठी/प्रशिक्षण कार्यक्रम "किसानों के लिए खाद्य एवं पोषण"

आजादी अमृत महोत्सव के अन्तर्गत प्रदेश में बढ़ती हुई कुपोषण की समस्या से निजात पाने के लिए कृषक परिवारों के लिए समस्त कृषि विज्ञान केन्द्रों पर एक गोष्ठी/प्रशिक्षण कार्यक्रम "किसानों के

लिए खाद्य एवं पोषण" आयोजित किया गया। जिसके अन्तर्गत मोटे अनाजों पोषण महत्व, सहजन की उपयोगिता, जैव सवंर्धित किस्मों व पोषण वाटिका से पोषण थाली तक जैसे विषयों पर जागरूक किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 1056 महिला कृषकों ने प्रतिभाग किया।

११. अन्तर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष २०२३ के परिप्रेक्ष्य पोषक वाटिका महाभियान एवं वृक्षारोपण

शरीर के लिए संतुलित आहार का लेबे समयय तक नहीं मिलना ही कुपोषण है। कुपोषण के कारण बच्चों और महिलाओं की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। जिससे वे आसानी से कई तरह की बीमारियों के शिकार बन जाते है। देश में 06 महीने से लेकर छः साल तक के बच्चों में कुल कुपोषित 927606 में 398359 बच्चे गम्भीर कुपोषण के शिकार उत्तर प्रदेश के है। एक स्वस्थ व्यक्ति को कम से कम 250 ग्राम सब्जियों एवं 80 ग्राम फल का उपयोग करना चाहिए। तथ्य यह है कि प्रदेश फल एवं सब्जियों के उत्पादन में गुणात्मक वृद्धि के बावजूद प्रति

व्यक्ति उपभोग अनुशंसित मात्रा से कम है। परिणामस्वरूप देश में Hidden thunder हर तरफ व्याप्त है। अतः वर्ष 2023 अन्तर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष के रूप में अनुसंशित है। इस क्रम में पोषण वाटिका महामियान का आयोजन कृषि विज्ञान केन्द्रों पर किया गया। 17 सितम्बर, 2021 को आयोजित सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों पर आयोजित इस कार्यक्रम में 1735 कृषकों/ महिला कृषकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। प्रत्येक केन्द्र द्वारा कुल 3987 पौधों का वितरण किया गया तथा साथ ही 1200 सब्जी बीज के पैकेट भी उपलब्ध कराये गये।

१२. महिला किसान दिवस

कृषि क्षेत्र में खेत की बुआई से लेकर फसल कटाई व इसके बाद तक की सारी गतिविधियों में कदम–कदम पर महिला किसानों का योगदान देखा जा सकता है। भारतीय कृषि महिलाओं का योगदान लगभग 32 प्रतिशत है, इनके बावजूद वे इस क्षेत्र में अपने वजूद को लेकर संघर्ष कर

रही हैं। खेती में 60 प्रतिशत भागीदारी के बावजूद जमीनों पर स्वामित्व पुरूषों का है। महिला किसान न होकर कृषि श्रमिक है। भारतीय कृषि की रीढ़ की हड्डी की तरह है। ऐसे में उनको उनके योगदान के लिए सम्मानित करने व भारतीय अर्थ व्यवस्था में उनके हिस्से के लिए उनमें जागरुकता लाने हेतु महिला किसान दिवस का आयोजन 15 अक्टूबर को प्रतिवर्ष मनाया जाता है। विश्वविद्यालय अधीन 13 के0वी0के0 में एक साथ महिला किसान दिवस का आयोजन 15 अक्टूबर, 2021 को मनाया गया जिसमें 1045 महिला कृषकों ने प्रतिभाग किया।

१३. आत्म निर्भर भारत गौ–आधारित प्राकृतिक खेती : मा० प्रधानमंत्री जी के संबोधन का सजीव प्रसारण/कृषक गोष्ठी

चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के अंतर्गत 13 कृषि विज्ञान केन्द्रों व प्रसार निदेशालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी पर मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के उद्‌बोधन का सजीव प्रसारण/कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें सभी जनपदों में गठित कृषक उत्पादक संगठनों से संबन्धित सदस्य, प्रगतिशील किसानों, विभिन्न जनप्रतिनियों तथा कृषि विज्ञान केन्द्रों के सभी जनपदों में गठित कृषक उत्पादक संगठनों से संबन्धित सदस्य, प्रगतिशील किसानों, विभिन्न जनप्रतिनिधियों तथा कृषि विज्ञान केन्द्रों के सभी कार्मिकों द्वारा प्रतिभाग कर कार्यक्रम को देखा एवं सुना गया। कार्यक्रम की सराहना करते हुए कृषकों ने गौ–आधारित प्राकृतिक खेती को यथा संभव अपनाने का संकल्प लिया तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं को कृषक हितैषी बताया।

१४. एक दिवसीय किसान मेला : किसान भागीदारी प्राथमिकता हमारी

राष्ट्रीय अभियान आजादी का अमृत महोत्सव के तहत चंद्र शेखर आजाद कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के अधिकार क्षेत्र के तहत 15 केवीके द्वारा दिनांक 26–04–2022 को "किसान भागीदारी प्राथमिकता हमारी" विषय के साथ एक दिवसीय किसान मेला का आयोजन किया गया। आत्मा के सहयोग से इस अवसर पर जिला स्तरीय वैज्ञानिक–किसान संवाद संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। इस मेले में आए किसान वर्चुअल रूप से सीधे जुड़कर अपने अनुभव केंद्रीय कृषि मंत्री से साझा भी किए। कार्यक्रम प्राकृतिक खेती, जैविक खेती और कृषि, बागवानी और पशुपालन में उन्नत तकनीक, किसान की फसलों की समस्याओं और किसान की आय को दोगुना करने पर केंद्रित है। कार्यक्रम में जैविक खेती और प्राकृतिक खेती को भी शामिल किया गया यह वर्तमान परिदृश्य का बहुत ज्वलंत मुद्दा है।

इस अवसर पर आयोजित मेला/संगोष्ठी कार्यक्रम में जिले के कई गणमान्य लोग और अधिकारी के साथ 18 राज्य स्तरीय एवं 03 केन्द्र स्तरीय मंत्री/जिला प्रमुख/ब्लाक प्रमुख एवं विधायक तथा प्रधानों की गरिमामयी उपस्थिति में 6367 कृषकों द्वारा प्रतिभाग किया। गया।

१५. विश्व पर्यावरण दिवस : पर्यावरण संरक्षण

जनजीवन को सुरक्षित रखने के लिए पर्यावरण का सुरक्षित रहना बहुत जरूरी है। विश्व के देश आधुनिकता की ओर बड़ी तेजी से बढ़ रहे हैं लेकिन इस राह में दिनों दिन दुनियाभर में ऐसी चीजों का इस्तेमाल बढ़ रहा है और इस तरह से लोग जीवन जी रहे हैं, जिससे पर्यावरण खतरे में हैं। इंसान और पर्यावरण के बीच गहरा संबंध है। प्रकृति के बिना जीवन संभव नहीं है। ऐसे में प्रकृति के साथ इंसानों को तालमेल बिठाना होता है, लेकिन लगातार वातावरण दूषित हो रहा है, जिससे कई तरह की समस्याएं बढ़ रही हैं, जो हमारे जनजीवन को तो प्रभावित कर ही रही हैं, साथ ही कई तरह की प्राकृतिक आपदाओं की भी वजह बन रही हैं। सुखी स्वस्थ जीवन के लिए पर्यावरण का संरक्षण जरूरी है। इसी उद्देश्य से विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के अधीन संचालित प्रसार निदेशालय सहित 13 कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा दिनांक 05 जून 2022 को वृक्षारोपण का कार्य सम्पन्न किया गया। जिसमें कुल 225 पौधे केन्द्र के परिसर व प्रक्षेत्र पर रोपित किये गये। इसके अतिरिक्त कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा कृषकों लगभग 1200 पौधे वृक्षारोपण हेतु कृषकों को निःशुल्क वितरित किये गये।

16. गरीब कल्याण सम्मेलन

आजाद का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के अधीन संचालित समस्त 15 कृषि विज्ञान केन्द्रों एवं कृषि विभाग के समन्वय से गरीब कल्याण सम्मेलन का सफल आयोजन के0वी0के0 सभागार/कृषि विभाग सभागार में किया गया। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का जनकल्याणकारी योजनाओं के सम्बन्ध में लाभार्थियों के साथ संवाद और प्रधानमंत्री सम्मान निधि के तहत 10 करोड़ से ज्यादा किसानों को रू0 21 हजार करोड़ से अधिक की 11वीं किस्त का हस्तान्तरण दिनांक 31 मई, 2022 को सजीव प्रसारण किया गया। इस आयोजन में कुल 3607 कृषक महिलाओं द्वारा प्रतिभाग किया गया।

१७. किसान सम्मान दिवसः

पारम्पतिक खेती में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले और कृषि विविधीकरण या बागवानी खेती के क्षेत्र में कुछ उल्लेखनीय कार्य करने वाले किसानो को इस अवसर पर सम्मानित किया जाता है। किसान भगवान तुल्य है। जिसके कठिन परिश्रम से आम लोगों को भोजन मिलता है। कृषि आंकड़े 2018 के अनुसार भारत में लगभग 118808780 मुख्य और सीमान्त कृषक हैं। भारत

में कृषि क्षेत्र में सिंचाई सुविधाओं, वेयर हाउसिंग और कोल्ड स्टोरेज जैसे कृषि बुनियादी ढॉचे में निवेश बढ़ने के कारण कृषि की गति बेहतर हुई है। कृषकों को इसका मान देने हेतु विश्वविद्यालय अन्तर्गत कृषि विज्ञान केन्द्रों में किसान सम्मान दिवस का आयोजन किया जाता है। 23 दिसम्बर, 2021 को सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों पर किसाना महिला दिवस का अयोजन किया गया जिसमें 3825 कृषकों एवं महिला कृषकों ने प्रतिभाग किया साथ ही प्रगतिशील कृषकों को उनके कृषि क्षेत्र में किये गये नवाचारों एवं उत्कृष्ठ कार्यों हेतु सम्मानित भी किया गया।

१८. अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस

वर्ष 2022 में महिला दिवस की पृष्ठभूमि पक्षपात को तोड़ना है। किन्तु भारत में इसकी पृष्ठभूमि टिकाऊपन के लैंगिक समानता रखी थी। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के अन्तर्गत 15 जनपदों में अर्न्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन कर महिलाओं को समाज में उनकी अग्रणी भूमिका हेतु सम्मानित कर आभार व्यक्त किया गया। आयोजन का उद्देश्य तथा प्रदेश की प्रत्येक महिला को हर वो अधिकार प्रदान किये जायें जो एक सामान्य नागरिक को दिये जाते है। महिलाओं के साथ भेदभाव की हद यह है कि समान कार्य के लिए जागरूक करने मे हो रहे उनके प्रति भेदभावों के प्रति उन्हें जागरूक कर उन्हे समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए संघर्ष करने हेतु प्रेरित करना। सभी केन्द्रों पर 08 मार्च, 2022 को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। जिसमें कुल 1040 महिला कृषकों ने प्रतिभाग किया। प्रत्येक केन्द्र द्वारा 5 से 7 प्रगतिशील महिला कृषकों को सम्मानित भी किया गया। साथ ही महिलाओं को पोषण वाटिका हेतु सब्जियों के बीज एवं पौध वितरण कार्य भी किया गया।

विश्व दलहन दिवस

विश्व दलहन दिवस 2022 की विषयवस्तु "स्थायी कृषि खाद्य प्रणालियों को प्राप्त करने में युवाओं को सशक्त बनाने के लिए दलहन" थी।

विश्व दलहन के उद्देश्यः दाले और फलियों का स्वास्थ्य रखरखाव और समग्र सुधार हेतु महत्व सतत

विकास 2030 एजेन्डा के लक्ष्यों को प्राप्त करने में दालों का योगदान, गरीबी, खाद्य श्रृंखला सुरक्षा, खराब स्वास्थ्य और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का चिन्हित करने में दालों की भूमिका, क्या दालें पर्यावरणीय लाभ में योगदान करती हैं? दालों के नाइट्रोजन–फिक्सिंग गुण मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार करते हैं। 10 फरवरी, 2022 को आयोजित इस कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केन्द्रों पर 707 कृषकों एवं आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों ने प्रतिभाग किया।

१६. विश्व मृदा दिवसः सतत् ऊसर प्रबन्धन एवं मृदा उर्वराशक्ति में बढ़ोत्तरी

विश्व मृदा दिवस का उद्देश्य खाद्य सुरक्षा, कृषि के साथ–साथ जलवायु परिवर्तन, गरीबी उन्मूलन

और सतत विकास के लिए मिट्टी के महत्व के बारे में कृषकों को जागरूक करना। सभी स्थलीय जीवों के लिए मिट्टी का खास महत्व है तथा मृदा के क्षरण से कार्बनिक पदार्थों का नुकसान होता है। वही मिट्टी की उर्वरता में भी गिरावट आती है। इसलिए मृदा लवणता से लड़ने व मृदा जागरूकता बढ़ाने के लिए कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा प्रोत्साहित किया गया। समस्त कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा 5 दिसम्बर, 2021 को विश्व मृदा दिवस मनाया गया जिसमें 989 कृषकों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

२०. स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आम्रपाली वाटिका का शिलान्यास

विश्वविद्यालय के उद्यान महाविद्यालय के वाटिका में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आम्रपाली जैसी प्रजातियों की उपयोगिता एवं महत्ता को कृषकों के मध्य जन–जागरूकता हेतु आम्रपाली के पौधों का वृक्षारोपण कुलपति महोदय एवं अन्य अधिकारियों ने किया। इसके दौरान एक संवाद कार्यक्रम भी किया गया जिसमें

कुल 80 शिक्षक/कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत आम्रपाली वाटिका का शिलान्यास मा0 कुलपति महोदय के कर कमलों द्वारा अधिष्ठाता, कृषि एवं विभागाध्यक्ष, उद्यान की उपस्थिति में किया गया। इस तरह विश्वविद्यालय में आगन्तुक कृषकों को जागरूक किया जा रहा है।

२१. राष्ट्रीय आभासी प्रशिक्षण

आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत पोषाहार फसलों के गुणवत्ता बीज उत्पादन के लिए नवीन दृष्टिकोणों पर विश्वविद्यालय स्तर पर एक राष्ट्रीय आभासी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 12–19 अगस्त, 2021 की अवधि में विश्वविद्यालय में संचालित आई0सी0ए0आर0, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित कास्ट परियोजनान्तर्गत किया गया। जिसमें अधिकारियों व विद्यार्थियों कुल 317 लोगों ने प्रतिभाग किया।

२२. छात्रो के समग्र विकास हेतु प्रशिक्षण

विश्वविद्यालय में संचालित आई0सी0ए0आर0, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित कास्ट परियोजनान्तर्गत आजादी का अमृत महोत्सव के तहत्

छात्रों के समग्र विकास हेतु प्रशिक्षण आयोजित किया गया। जिसके अन्तर्गत छात्रों के बौद्धिक, शारीरिक,

मानसिक, भावनात्मक, सामाजिक विकास इत्यादि के लिए प्राध्यपकों द्वारा प्रशिक्षित किया गया। छात्रों को उनके लक्ष्य प्राप्ति हेतु ऊर्जा बनाए रखने के गुर सिखाये गये। 15–29 सितम्बर, 2021 की अवधि में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 299 छात्रों को प्रशिक्षित किया गया।

२३. बौद्धिक संपदा अधिकारों पर ई–व्याख्यान श्रृंखला

आत्मनिर्भर भारत में एक परिपक्व नवाचार प्रणाली की ओर कृषि अनुसंधान और शिक्षा में बौद्धिक संपदा अधिकारों पर ई–व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन 22 नवम्बर, 2021 को विश्वविद्यालय में संचालित एन0ए0एच0ई0पी0–आई0सी0ए0आर0, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित कास्ट परियोजनान्तर्गत आजादी का अमृत महोत्सव के तहत किया गया। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत 117 प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

२४. स्थायी गुणवत्ता बीज उत्पादन एवं आपूर्ति प्रबंधन पर ई–व्याख्यान श्रृंखला

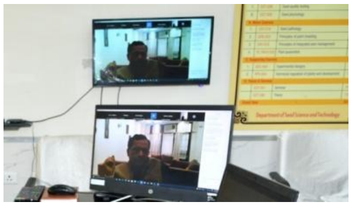

स्थायी गुणवत्ता वाले बीज उत्पादन और बीज आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन के लिए नियामक ढांचे पर ई–व्याख्यान श्रृंखला 25 नवम्बर, 2021 को विश्वविद्यालय में संचालित एन0ए0एच0ई0पी0–आई0सी0ए0आर0, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित कास्ट परियोजनान्तर्गत आजादी का अमृत महोत्सव के तहत् किया गया। जिसके अन्तर्गत 171 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

२५. छात्रों का समग्र विकास कार्यक्रम

विश्वविद्यालय में संचालित एन0ए0एच0ई0पी0–आई0सी0ए0आर0, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित कास्ट परियोजनान्तर्गत आजादी का अमृत महोत्सव के तहत् छात्रों का समग्र विकास हेतु एक कार्यक्रम 27 नवम्बर, 2021 को विश्वविद्यालय

में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 100 से अधिक लोगों ने प्रतिभाग किया गया।

नैनो प्रौद्योगिकी: बीज गुणवत्ता वृद्धि और उत्पादकता कृषि–बागवानी फसलों के लिए एक उपकरण पर ई–व्याख्यान

22 दिसम्बर, 2021 –291

26. वैज्ञानिक-कृषक संवाद कार्यक्रम

"गुणवत्ता बीज उत्पादन और रबी फसलों और सब्जियों के मूल्य संवर्धन" विषय पर कृषि विज्ञान केन्द्र, थरियांव, फतेहपुर में 09 जनवरी, 2022 में वैज्ञानिक–कृषक संवाद तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें केन्द्र के वैज्ञानिकों एवं कास्ट परियोजना के मुख्य अन्वेषक एवं समन्वयक प्रसार निदेशालय की उपस्थिथति में 75 कृषकों एवं महिला कृषकों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

२७. खाद्य गुणवत्ता और नीति पर एक दिवसीय वेबिनार

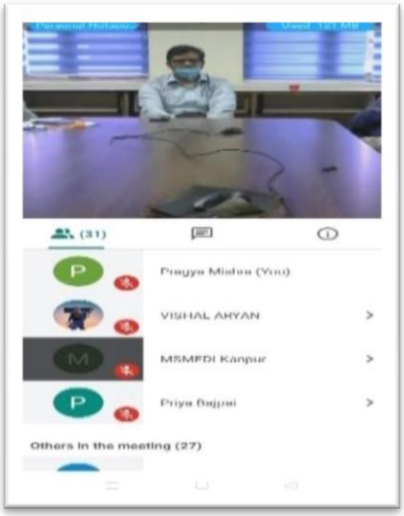

खाद्य गुणवत्ता और नीति पर एक दिवसीय वेबिनार: सार्वजनिक वितरण प्रणाली में उनका कार्यान्वयन विषयक एक वेबीनार का आयोजन एन0ए0एच0ई0पी0– आई0सी0ए0आर0, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित कास्ट परियोजनान्तर्गत विश्वविद्यालय में स्थापित आई.सी.टी. लैब में 28 जुलाई, 2021 को किया गया। इस वेबीनार में कुल 52 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। इस वेबीनार के माध्यम से भूख और कुपोषण से निपटने हेतु भारत की सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) आवश्यक वस्तुओं का वितरण की महत्ता एवं उसके कार्यान्वयन जो सुरक्षा जाल के रूप में कार्य करके खाद्य असुरक्षा को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, पर प्रकाश डाला गया।

28. मोरिंगा फूड कान्क्लेव पर राष्ट्रीय सम्मेलन–२०२१

विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान संकाय के अन्तर्गत खाद्य एवं पोषण विभाग में दो दिवसीय 28–29 सितम्बर, 2021 को एक मोरिंगा (सहजन) पर आधारित राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें 100 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। इस कान्क्लेव में मोरिंगा "चमत्कारी वृक्ष" की खेती, पोषण, वाणिज्यिक और प्रमुख औषधीय गुणों से संबन्धित विषयों पर चर्चा की गयी। इसके उच्च पोषक मूल्यों के साथ, पेड़ का हर हिस्सा पोषण या व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए उपयुक्त है। पत्तियां खनिज, विटामिन और अन्य आवश्यक फाइटोकेमिकल्स में समृद्ध हैं। पत्तियों के अर्क का उपयोग कुपोषण के इलाज के लिए, स्तनपान कराने वाली माताओं में स्तन के दूध को बढ़ाने के लिए किया जाता है। इसका उपयोग संभावित एंटीऑक्सिडेंट, एंटीकैंसर, एंटी–इंफ्लेमेटरी, एंटीडायबिटिक और एंटीमाइक्रोबियल एजेंट के रूप में किया जाता है जैसे अन्य जानकारियों से भी जन–जागरूक किया गया।

29. उद्यमिता विकास पर राष्ट्रीय स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम–२०२१

कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में उद्यमिता विकास पर राष्ट्रीय स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम–2021 का आयोजन 23 नवम्बर, 2021 को विश्वविद्यालय में संचालित एन0ए0एच0ई0पी0– आई0सी0ए0आर0, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित कास्ट परियोजनान्तर्गत आजादी का अमृत महोत्सव के तहत् किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से कृषि को उद्यमता जैसे बागवानी, मत्स्य पालन, पशुपालन, मौन पालन मशरूम उत्पादन जैसे उद्यम जो कम लागत अधिक आय वाले स्टार्टअप को क्यों, कैसे करें, जागरूक किया गया। इस जागरूकता कार्यक्रम में 100 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

३०. व्याख्यान श्रृंखला के अन्तर्गत कृषि में अजैविक तनाव प्रबंधन

आजादी का अमृत महोत्सव व्याख्यान श्रृंखला के अर्न्तगत कृषि में अजैविक तनाव प्रबंधन पर 10 अगस्त, 2021 को कुलपति महोदय के दिशानिर्देशन में व्याख्यान सम्पादित कराये गये। इस अवसर पर व्याख्यान के माध्यम से कृषि एवं प्रबन्धन पर महत्वपूर्ण अनुकरणीय बातों का साझा किया गया। वित्तपोषित कास्ट परियोजनान्तर्गत आजादी का अमृत महोत्सव के तहत् इस व्याख्यान श्रृंखला को सम्पादित किया गया। इसमें 85 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

३१. स्वदेशी से स्वावलम्बी इण्डिया

विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के अर्न्तगत स्वदेशी से स्वावलम्बी इण्डिया के तहत् एक निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस निबन्ध प्रतियोगिता में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक एवं सेविकाओं द्वारा स्वदेशी से स्वावलम्बी होने के विभिन्न विषयों पर 05 अक्टूबर, 2021 को भाग लिया गया। इसमें 90 छात्र–छात्राओं ने प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रतियोगिता में अग्रणी प्रतिभागी को सम्मानित भी किया गया।

32. हिन्दी पखवाड़ा

आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत विश्वविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा भारत की राजभाषा हिन्दी के प्रचार–प्रसार के लिए 14–30 सितम्बर, 2021 को हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया। जिसके अन्तर्गत आलेख लेखन प्रतियोगिता, का आयोजन किया गया । जिसमें 150 छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

33. देशभक्ति गीत एवं कविता प्रतियोगिता पर वर्चूअल (आनलाइन) व्याख्यान

विश्वविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में देश भक्ति गीतों एवं कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 13–14 अगस्त, 2021 को कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अधिष्ठाता, कृषि संकाय ने देश का गौरव बढ़ाने वाले सपूतों द्वारा दिखाये गये मार्ग पर अनुसरण करने की अपील की। गृह विज्ञान महाविद्यालय में युवा पीढ़ी का योगदान विषय पर आनलाइन व्याख्यान हुआ। मुख्य वक्ता लोक सेवा आयोग के सदस्य डा0 एच.पी. सिंह ने कहा कि युवा शक्ति देश का वर्तमान व भविष्य दोनो हैं। इस अवसर पर स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि भी दी गयी। इस कार्यक्रम में आनलाइन 83 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

34. विश्वविद्यालय में आयोजित ७५वां स्वतंत्रता दिवस

आजादी के 75वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अमर शहीद स्वतंत्रता सेनानी चन्द्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर पुष्प अर्पण के पश्चात् मुख्य भवन पर ध्वजारोहण किया तथा उपस्थित समस्त विश्वविद्यालय परिवार को सम्बोधित किया। सम्बोधन के दौरान कुलपति ने स्वाधीनता के बाद खाद्यान्नों में 5 गुना, औद्यानिक फसलों में 9 गुना, मछली क्षेत्र में 12.5 गुना, दुग्ध क्षे में 9 गुना एवं अण्डा उत्पादन क्षेत्र में 39 गुना वृद्धि हासिल हुई जोकि हमारी कृषि पद्धति में हुए नवाचारों की ही देन है।

३५. भारत में वैकल्पिक ईंधन : वर्तमान स्थिति और भविष्य की संभावनाएं

विश्वविद्यालय के अधीन संचालित डा0 भीमराव अम्बेडकर कृषि अभियंत्रण एवं प्रौद्योगिक महाविद्यालय, इटावा के यांत्रिकी विभाग द्वारा 07 अगस्त, 2021 को भारत में वैकल्पिक ईंधन : वर्तमान स्थिति और भविष्य की संभावनाएं विषय पर एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। गूगल मीट के माध्यम से आमंत्रित आई.आई.टी. नई दिल्ली के यांत्रिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डा0 विनोद कुमार यादव ने सम्बोधित किया। इसमें 78 प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत कुलपति महोदय के संरक्षण में विश्वविद्यालय के अधीन संचालित डा0 भीमराव अम्बेडकर कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय, इटावा के यांत्रिकी विभाग द्वारा निम्न विषयों पर पृथक–पृथक दिवसों पर विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर एक्सपर्ट के व्याख्यान आयोजित किये गये–

३६. वैकल्पिक गैसीय ईंधनों के दहन अभिलक्षण और उनके माप
३७. सामग्री का माइक्रोवेव प्रसंस्करण : एक अवलोकन
३८. एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग : चुनौतियाँ और अवसर
३९. उत्पाद डिजाइन के लिए डिजाइन सोच
४०. सूक्ष्म-विनिर्माण : हाल के विकास
४१. किसान सम्मान समारोह

Department of Mechanical Engineering
Baba Saheb Dr. B.R.A. College of Agril. Engg. and Tech., Etawah
(C. S. Azad University of Agri. & Technology, Kanpur)

On the glorious occasion of Amrit Mahotsava of 75th Independence Anniversary Year, the Department of Mechanical Engineering is organizing expert lectures on topics –

S. No.	Topic	Date and Time
1.	Microwave Processing of Materials: An Overview	Aug 18, 2021 (12:00 pm – 1:00 pm)
2.	Additive Manufacturing: Challenges and Opportunities	Aug 21, 2021 (12:00 pm – 1:00 pm)
3.	Design Thinking for Product Design	Aug 23, 2021 (12:00 pm – 1:00 pm)
4.	Micro-Manufacturing: Recent Developments	Aug 28, 2021 (12:00 pm – 1:00 pm)

Google meet link: [illegible]

Speaker:

Dr. Radha Raman Mishra
Assistant Professor
Department of Mechanical Engineering
Birla Institute of Technology and Science Pilani
Pilani-333031, India

Patron
Dr. D. R. Singh
Vice Chancellor

Convener
Dr. J. P. Yadav
Professor and Head

Chairman
Dr. D. Singh
Dean, Faculty of Technology

स्व0 चौधरी चरण सिंह जी के जन्म दिवस के अवसर पर 23 दिसम्बर, 2021 को डा0 भीमराव अम्बेडकर कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय, इटावा द्वारा आयाजित किया गया। जिसमें कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों को अंगवस्त्र एवं प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। इस सम्मान समारोह में 130 प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

आजादी का अमृत महोत्सव की कड़ी में माह सितम्बर, 2021 में अन्तर्गत कुलपति महोदय के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय के अधीन संचालित डा0 भीमराव अम्बेडकर कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय, इटावा द्वारा निम्न विषयों पर पृथक–पृथक दिवसों पर विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर एक्सपर्ट के व्याख्यान आयोजित किये गये–

42. आईटी और अंतःविषय कौशल का महत्व

कुलपति डा0 डी0आर0 सिंह के संरक्षण में आईटी और अंतःविषय कौशल का महत्व विषय पर डा0 भीमराव अम्बेडकर कृषि अभियंत्रण

महाविद्यालय, इटावा ने एक एक्सपर्ट व्याख्यान 22 सितम्बर, 2021 को गूगल मीट के माध्यम से आयोजित किया गया। जिसमें 110 छात्रों ने प्रतिभाग किया। व्याख्यान विशेषज्ञ के रूप में श्री शिशिर नारायन, सीनियर आई.टी, आर्कीटेक्ट, आई.बी.एम., लन्दन रहे।

43. संस्थागत उपलब्धियां बनाम औद्योगिक आवश्यकताएं

कुलपति डा0 डी0आर0 सिंह के संरक्षण में संस्थागत उपलब्धियां बनाम औद्योगिक आवश्यकताएं विषय पर डा0 भीमराव अम्बेडकर कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय, इटावा ने एक एक्सपर्ट व्याख्यान 27 सितम्बर, 2021 को गूगल मीट के माध्यम से आयोजित किया गया। जिसमें 100 छात्रों ने प्रतिभाग किया। व्याख्यान विशेषज्ञ के रूप में श्री अमित कुमार, जनर्रल मैनेजर, आई.आई.एन. इण्टरनेशनल,गेटर नोएडा रहे।

44. दुनिया की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का अन्वेषण

कुलपति डा0 डी0आर0 सिंह के संरक्षण में संस्थागत उपलब्धियां बनाम औद्योगिक आवश्यकताएं विषय पर डा0 भीमराव अम्बेडकर कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय, इटावा ने एक एक्सपर्ट व्याख्यान 04 अक्टूबर, 2021 को गूगल मीट के माध्यम से आयोजित किया गया। जिसमें 105 छात्रों ने प्रतिभाग किया। व्याख्यान विशेषज्ञ के रूप में इं0 कपिल जैन, सीनियर प्रिंसीपल, इन्फोसिस, यू0एस0ए0 रहे।

45. पनीर तकनीक

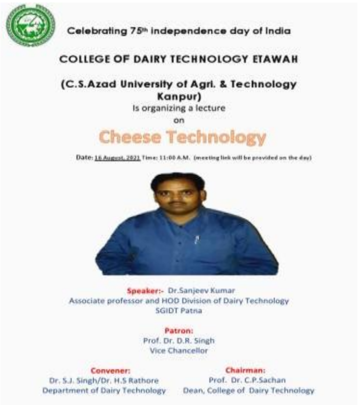

कुलपति डा0 डी0आर0 सिंह के संरक्षण में दुग्ध के लोकप्रिय उत्पाद "पनीर तकनीक" विषय पर डा0 भीमराव अम्बेडकर कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय, इटावा में एक एक्सपर्ट व्याख्यान 16 अगस्त, 2021 को गूगल मीट के माध्यम से आयोजित किया गया। जिसमें 57 छात्रों ने प्रतिभाग किया। व्याख्यान

विशेषज्ञ के रूप में डा0 संजीव कुमार, विभागाध्यक्ष, दुग्ध विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग एस.जी.आई.डी.टी, पटना रहे।

46. राष्ट्रीय दुग्ध दिवस

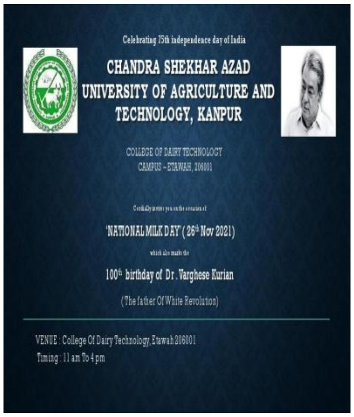

आजादी का अमृत महोत्सव की श्रृंखला में 26 नवम्बर, 2021 विश्वविद्यालय के डेरी प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, इटावा ने श्वेत क्रान्ति के जनक डा0 वार्घीश कुरियन के 100वें जन्मदिवस पर राष्ट्रीय दुग्ध दिवस के रूप में मनाया गया। इस कार्यक्रम में 68 छात्रों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया।

47. हरित घर हरित परिसर के अन्तर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम

विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण ने आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत विश्वविद्यालय के सभी छात्रावास के परिसर में 15–22 अगस्त, 2021 की अवधि में हरित घर हरित परिसर के अन्तर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम मनाया गया। इसके अन्तर्गत अधिकारियों/ छात्रावास अधीक्षकों एवं छात्रों कुल 78 लोगों ने मिलकर किया।

48. विश्व क्षय रोग दिवस

विश्वविद्याल के कुलपति डा0 डी0आर0 सिंह ने 24 मार्च, 2021 को आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत विश्व क्षय रोग दिवस पर विभिन्न समाचार पत्रों एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया की कांन्फ्रेस आयोजित कर प्रदेश में ग्रामीण आंचल में रह रहे लोगों में व्याप्त क्षय रोगों की अनभिज्ञता एवं इस रोग से मनुष्य के शरीर में होने वाले प्रभावों तथा बचने के सुझाव को साझा किया। कान्फ्रेंस में उपस्थित विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण ने भी अपने विचारों को रखते हुए छात्रों का आह्वान किया।

४६. अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद की ११५वी जयंती

विश्वविद्यालय में इस वर्ष 23 जुलाई, 2021 कान्तिवीर चन्द्रशेखर आजाद की 115वीं जयंती पर मा0 कुलपति डा0 डी0आर0 सिंह जी ने विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में स्थापित अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर विश्वविद्यालय छात्र–छात्राओं को सम्बोधित करते हुए उनके पथचिन्हों पर चलने के लिए आह्वान किया। इस अवसर राष्ट्रीय सेवा योजना एवं एन.सी. सी. के कैडेटों ने मार्च निकाला एवं शुभांजलि दी तथा विश्वविद्यालय में भव्यता का प्रदर्शन किया गया।

५०. बसंत पंचमी पर सांस्कृतिक आयोजन

विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत 05 फरवरी, 2021 को बसंत पंचमी के सुअवसर पर विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में स्थापित माता सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए अधिष्ठाता छात्र कल्याण ने छात्रों को सम्बोधित किया। इस अवसर पर छात्र–छात्राओं के साथ विभाग के विभागाध्यक्ष एवं अन्य 68 लोगों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर छात्र–छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। विश्वविद्यालय में यह कार्यक्रम कई वर्षों से बहुत ही हर्षोल्लास से मनाया जाता रहा है।

५१. स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कर्मचारी प्रोत्साहन/सम्मान

विश्वविद्यालय में इस वर्ष 75वें आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत स्वतंत्रता दिवस पर कुलपति डा0 डी0आर0 सिंह ने 75 कर्मचारियों एवं अधिकारियों/वैज्ञानिकों को उनके उत्कृष्ट कार्यों हेतु प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। विश्वविद्यालय के

समस्त कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कोविड जैसी महामारी में भी अपनी उत्कृठता का परिचय देने एवं सहयोग करने हेतु उनकी सराहना करते हुए इसी तरह अपने जस्बे के साथ भारत माता रक्षा एवं सुरक्षा की शपथ दिलायी।

५२. नई शिक्षा नीति-२०२० शीर्षक के अन्तर्गत आयोजित कार्यशाला

स्वतंत्रता दिवस के 75वें वर्षगांठ के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डा0 डी0आर0 सिंह के

मार्गदर्शन में नई शिक्षा नीति–2020 के अन्तर्गत जून 14, 2021 को विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय द्वारा कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें 167 प्रतिभाग किया। इस कार्यशाला में कृषि शिक्षा का कृषि विकास में महत्वपूर्ण योगदान एवं बदलते परिवेश में कृषि शिक्षा को व्यापार परक बनाने में राष्ट्रीय शिक्षा नीति मील का पत्थर साबित होने पर चर्चा की गई। नई शिक्षा नीति किसानों को केन्द्रित कर तैयार की गयी है, जो स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन को बढ़ावा देगी। नई शिक्षा नीति में राष्ट्रीय एवं अर्न्तराष्ट्रीय परिदृश्य को देखते हुए महत्वपूर्ण परिवर्तन किये गये है। जो छात्रों को पुस्तक ज्ञान से ज्यादा व्यवहारिक ज्ञान पर जोर दिया गया है। जिससे छात्र रोजगार परक शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे।

53. लोकल फॉर वोकल

सी0एस0ए0 में आल इण्डिया वूमेन डेवेलपमेन्ट ट्रेनिंग एवं सोसाइटी, नई दिल्ली के संयुक्त तत्तवाधान में 24 अप्रैल, 2022 को आयोजित शुभांजलि एक मुस्कान प्रतियोगिता का शुभारम्भ उ0प्र0 सरकार के कैबिनेट मंत्री श्री राकेश सचान जी ने किया। इस अवसर पर कुलपति डा0 डी0आर0 सिंह ने प्रतियोगिता के तहत् नृत्य,गायन एवं कविता पाठ आदि प्रतिभागी विजेताओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कोरोना योद्धओं तथा

विश्वविद्यालय के अधिकारियों/शिक्षकों/वैज्ञानिकों को उनके उत्कृष्ट कार्यों हेतु सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत विभिन्न स्थानीय वस्तुओं के बढ़ावा देने हेतु लोकल फार वोकल थीम पर स्टाल भी लगाये गये।

54. प्रकृति वंदन

चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में हिंदू आध्यात्मिक सेवा फाउंडेशन व राष्ट्रीय

स्वंयसेवक संघ की पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के संयुक्त तत्वाधान में प्रकृति वंदन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर तुलसी और पीपल के पेड़ों से बने पिरामिड में सासंद देवेन्द्र सिंह भोले ने पूजन के साथ आरती की इनके साथ उच्च शिक्षा राज्यमंत्री नीलिमा कटियार विधायक सुरेन्द्र मैथानी भी रहे। कुलपति जी ने सदियों से प्रकृति की पूजा करने परंपरा को पुनः अपनाने हेतु सभी से आह्वान किया तथा प्रकृति को स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाये रखने की शपथ भी दिलायी।

55. ८वीं एलुमनाई मीट एवं दो दिवसीय प्राकृतिक खेती पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कैलाश भवन प्रेक्षागृह में आठवीं एलुमनाई मीट एवं दो दिवसीय प्राकृतिक खेती पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश सरकार के कृषि,कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही जी ने एवं उपस्थित अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर विधिवत कार्यक्रम की शुरुआत की। इस अवसर पर माननीय मंत्री जी ने कहा कि रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग से भूमि की जल धारण क्षमता में कमी,

असंतुलित पोषक तत्वों के साथ ही मानव शरीर में विभिन्न प्रकार की बीमारियां के होने के कारण आज आवश्यकता इस बात की है कि प्राकृतिक खेती की जाए। जिससे खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता में सुधार हो।

उन्होंने कहा कि समस्त कृषि विज्ञान केंद्रों के एक एकड़ प्रक्षेत्र पर प्राकृतिक खेती की जाए और किसानों को प्रशिक्षित भी किया जाए। उपस्थित वैज्ञानिकों से कहा कि 2 दिनों के प्राकृतिक खेती पर मंथन के उपरांत जो सुझाव सरकार के पास आएंगे उससे निश्चित तौर पर किसान लाभान्वित होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ डीआर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय ने वर्ष 2020– 21 से ही प्राकृतिक खेती पर कार्य शुरू कर दिया है और उसके परिणाम काफी उत्साहजनक हैं। इस वर्ष से सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर प्राकृतिक खेती के परीक्षण कराए जाएंगे। आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष पर विश्वविद्यालय द्वारा 66 कार्यक्रम आयोजित कराए जा चुके हैं। कार्यक्रम आयोजक डॉ मुनीष कुमार ने कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। इस अवसर पर जैविक ,प्राकृतिक खेती कर रहे किसानों को सम्मानित भी किया गया। उद्घाटन सत्र के बाद मुख्य व्याख्यान हुए तत्पश्चात वैज्ञानिकों ने अपने प्राकृतिक खेती पर शोध पत्रों का प्रस्तुतीकरण किया।

56. चार दिवसीय औद्यानिक फसलों एवं जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कैलाश भवन प्रेक्षागृह में चार दिवसीय उद्यानिकी फसलों एवं जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर संगोष्ठी में मुख्य अतिथि कृषि वैज्ञानिक चयन बोर्ड के चेयरमैन डॉ एके श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में बताया कि हमारा देश फल एवं सब्जी उत्पादन में पूरे विश्व में दूसरे स्थान पर है। डॉ श्रीवास्तव ने बताया

कि हमारा देश सन 1966 में 10 मिलियन टन गेहूं का आयात करता था। लेकिन अब हमारे यहां पर्याप्त खाद्यान्न उत्पादन हो रहा है।इसके लिए कृषि वैज्ञानिकों व किसानों को उन्होंने धन्यवाद दिया। फसल कटाई उपरांत होने वाली हानियों के बचाव के लिए कहा कि किसानों के स्तर पर ही छोटे–छोटे

कोल्ड स्टोरेज बनाए जाएंगे। जिससे किसान उद्यमी होंगे और उनकी आय में बढ़ोतरी होगी। जलवायु परिवर्तन के बारे में बताया कि जलवायु परिवर्तन प्राकृतिक तथ्य है इसलिए ऐसे शोध किए जा रहे हैं जो जलवायु अनुकूल हों। इस अवसर पर श्री कोंडा लक्ष्मण तेलंगाना राज्य उद्यान विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ बी नीरजा प्रभाकर ने भी वैज्ञानिकों को संबोधित किया और चार दिवसीय संगोष्ठी की सफलता की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर रुहेलखंड विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ के पी सिंह, डॉ पी जानकीराम कुलपति वाईएसआर उद्यान विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश ने भी संबोधित किया। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के पूर्व उप महानिदेशक उद्यान डॉक्टर एचपी सिंह ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। इस कार्यक्रम में कारगिल युद्ध में शहीद लेफ्टिनेंट अमित सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अतिथि अतिथियों द्वारा की गई। तत्पश्चात कार्यक्रम में शोध चिंतन 2022,बुक ऑफ ऑब्स्ट्रैट 2022, प्रोसीडिंग 2020–21, इवेंट सीडी एवं इंटरनेशनल जर्नल आफ इन्नोवेटिव हॉर्टिकल्चर नामक पुस्तक का विमोचन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉक्टर ए के श्रीवास्तव को कॉन्फ्रेंस आफ हॉर्टिकल्चर एसोसिएशन आफ इंडियन आनर्ड फेलो– 2022 से विभूषित किया गया। जबकि डॉ टी. जानकी राम को लाइफटाइम रिकॉग्निशन अवार्ड 2022 सहित कई वैज्ञानिकों को अमित सिंह मेमोरियल अवार्ड से भी घोषित किया गया। इस अवसर पर रुहेलखंड विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर के पी सिंह को अमित प्रबुद्ध मनीषी अवार्ड से विभूषित किया गया। उद्घाटन सत्र के पश्चात तकनीकी सत्र भी चलाये गये साथ ही चयनित प्रगतिशील कृषकों को सम्मानित भी किया गया।

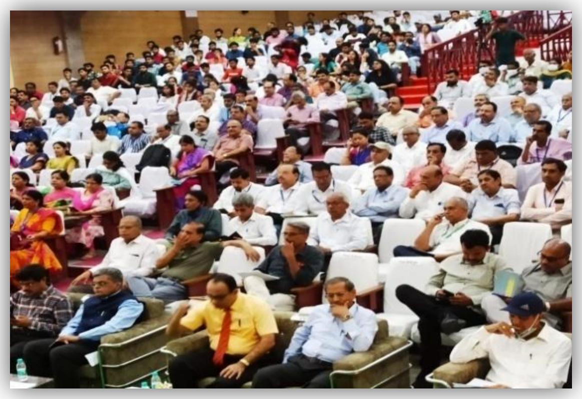

57. प्राकृतिक खेती–जीवन का आधार विषय पर एक दिवसीय कृषक–वैज्ञानिक संवाद एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय में द्वारा आयोजित एक दिवसीय कृषक–वैज्ञानिक संवाद एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री एवं सांसद श्री राधा मोहन सिंह जी बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री राधा मोहन सिंह जी ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि कृषि सीधे तौर पर मिट्टी से जुड़ी है तथा कृषकों की उन्नति मिट्टी पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार द्वारा वर्ष 2015 में किसानों के लाभ हेतु राष्ट्रव्यापी मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना का शुभारंभ किया। पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री एवं सांसद ने कहा कि प्राकृतिक खेती देसी गाय के गोबर और गोमूत्र से की जाती है। जिसमें कृषि लागत शून्य होती है। और कृषि उत्पाद गुणवत्ता युक्त प्राप्त होता है। मानव के स्वास्थ्य के साथ ही मृदा के स्वास्थ्य को भी स्वस्थ रखना है। उन्होंने उपस्थित किसानों से अपील की है कि वे कम से कम अपने पूरे परिवार के लिए प्राकृतिक खेती का शुभारंभ करें। जिससे परिवार के सदस्य स्वस्थ रह सकें। आज शहरों में प्राकृतिक कृषि उत्पादों की मांग बढ़ती जा रही है। उन्होंने बताया कि शहरी लोग गांव जाकर किसानों को फैमिली फार्मर बना रहे हैं और उनका प्राकृतिक उत्पाद स्वयं खरीद लेते हैं। उन्होंने बताया कि कुवैत ने अभी 192 मीट्रिक टन देसी गाय के गोबर की मांग की है क्योंकि कुवैत के कृषि वैज्ञानिकों ने पाया है कि खजूर की फसल में देसी गाय के गोबर के आशातीत परिणाम आ आ रहे। इस अवसर पर

कुलपति डॉ डीआर सिंह ने अपने संबोधन में बताया कि प्राकृतिक खेती अपनाकर हम अपने स्वास्थ्य,मृदा स्वास्थ्य एवं पर्यावरण को सुरक्षित रख सकते हैं। क्योंकि प्राकृतिक खेती में देसी गाय के गोबर,गोमूत्र द्वारा जीवामृत, वीजामृत, घनजीवामृत आदि का निर्माण कर प्रयोग करते हैं जिसे मृदा की उर्वरा शक्ति के साथ ही सूक्ष्मजीवों की संख्या में बढ़ोतरी होती है। विशिष्ट अतिथि अतिथि कृषक समृद्धि आयोग उत्तर प्रदेश के सदस्य श्री श्याम बिहारी गुप्ता ने भी अपने संबोधन में प्राकृतिक खेती पर जोर दिया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं कुलपति द्वारा किसानों को धान के 24 प्रदर्शन मिनी किट के रूप में वितरित किए गए। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा प्रकाशित हंड्रेड गेम चेंजर नामक पुस्तक का विमोचन किया गया। प्राकृतिक खेती कर रहे हैं विभिन्न जनपदों के किसानों ने अपने अनुभव साझा किए तथा उत्कृष्ट प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को सम्मानित भी किया गया।

५८. मजदूर दिवस के अवसर पर कृषक महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के दलीपनगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा ग्राम दलीपनगर में अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए टिप्स दिए गए। इस अवसर पर महिलाओं के रोजगार एवं उसकी संभावनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी एवं मजदूर दिवस की महत्ता पर भी प्रकाश डाला। महिलाएं खेती, पशुपालन एवं मनरेगा जैसे कार्यों में जी तोड़ मेहनत करती हैं। महिलाओं के लिए अब अवसर की कमी नहीं है वे हर व्यक्तिगत और सामाजिक दायित्वों का निर्वहन कर रही। इस अवसर पर कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह का संदेश भी सुनाया गया। कुलपति ने कहा कि 1 मई का दिन मजदूर दिवस के रूप में जाना जाता है मजदूर दिवस का दिन न केवल श्रमिकों को सम्मान देने के लिए होता है बल्कि इस दिन मजदूरों के हक के प्रति आवाज भी उठाई जाती है।

५९. संतुलित उर्वरकों के उपयोग से मृदा स्वास्थ्य संवर्धन

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ0 डी0आर0 सिंह के निर्देश के क्रम में 6 मई 2022 को मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसानों को खेतों में हरी खाद प्रयोग पर एडवाइजरी जारी की किसान भाइयों को मृदा की उपजाऊ शक्ति बनाए रखने के लिए हरी खाद एक सबसे सस्ता विकल्प है। उन्होंने किसान भाइयों को हरी खाद बनाने के लिए अनुकूल फसलो के बारे में बताया कि ढैंचा, लोबिया, उड़द, मूंग, ग्वार, एवं बरसीम मुख्य फसलें हैं जो हरी खाद बनाने में प्रयोग की जाती हैं। डॉ खान ने बताया कि ढैंचा की मुख्य किस्में सस्बेनिया अजिप्टिका,सस्बेनिया रोस्ट्रेटा, सस्बेनिया अकुलेता अपने त्वरित खनिजिकरण पैटर्न, उच्च नाइट्रोजन मात्रा के कारण बाद में बोई गई मुख्य फसल की उत्पादकता पर उल्लेखनीय प्रभाव डालने में सक्षम है। संतुलित उर्वरकों के उपयोग से मृदा स्वास्थ्य संवर्धन के टिप्स बताये गये तथा जनपद के किसानों से इस विधा को अपनाने की अपील भी की।

६०. अन्तर्राष्ट्रीय योगा दिवस, संतुलित उर्वरक प्रयोग एवं क्षेत्र विशिष्ट वानिकी जागरूकता कार्यक्रम

मनुष्य के बेहतर स्वास्थ्य हेतु विश्वविद्यालय के कुलपति महोदय के मार्गदर्शन में विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत विश्वविद्यालय परिसर में शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने तथा विश्वविद्यालय के अधीन संचालित समस्त कृषि विज्ञान केन्द्रों पर वैज्ञानिकों द्वारा योगा दिवस सुबह 5.00 से 7. 00 मनाया गया। इस तरह मानसिक एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ रहकर हम अपने सुविचारों एवं कार्य के अच्छे परिवेश रहकर चेतना के साथ कार्य करने में आनन्द की अनुभूति भी होती है।

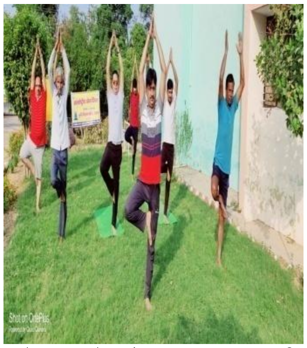

चन्द्रषेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के अधीन संचालित समस्त 15 कृषि विज्ञान केन्द्रों पर आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अन्तर्गत अन्तर्राष्ट्रीय योगा दिवस के उपलक्ष्य में केन्द्र के वैज्ञानिक, कर्मचारी, किसान, बच्चे एवं शिक्षारत बच्चियों के साथ योगा किया गया। योगा की जागरूकता के साथ क्षेत्र विशेष वानिकी के अन्तर्गत सभी लोग पौधे लगाने व तैयार करने का संकल्प लेते हुये जानकारी दी गई। आज की खेती मे असन्तुलित उर्वरक के प्रयोग होने से मृदा स्वास्थ्य बिगड़ता जा रहा है जो चिंताजनक है। अतः सभी को संतुलित उर्वरक का

प्रयोग कैसे होगा, मृदा नमूना लेकर मिट्टी की जाँच कराकर ही उर्वरक प्रयोग करे तभी संतुलित उर्वरक का प्रयोग हो पायेगा। धान लगाने के पूर्व ढैंचा की बुआई कर 45–50 दिन की फसल होने पर खेत मे पलट दें तुरन्त धान की रोपाई करे तथा यूरिया की आधी मात्रा ही प्रयोग करें आदि पर विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में कुल 1496 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

समस्त 15 कृषि विज्ञान केन्द्रों पर प्रातःकालीन योगा के पश्चात आयोजित गोष्ठी कार्यक्रम में मानव स्वास्थय, स्वस्थय खेती, पर्यावरण व टिकाऊ खेती पर जानकारी कृषकों को दी गयी।

६१. फसल अवशेष प्रबंधन से मृदा जीवांश में बढ़ोत्तरी

विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केन्द्र, दलीपनगर, रायबरेली, हरदोई लखीमपुर के 05–05 जनपदों में कुल 25 प्रशिक्षण कार्यक्रम, 15 स्कूल जागरूकता, 15 कालेज जागरूकता एवं 10 वृहद किसान जिला स्तरीय मेला एवं गोष्ठी जैसे कार्यक्रम का आयोजन वृहद स्तर पर किया गया। जिससे लगभग इन जनपदों के 22–24

हजार कृषक फसल अवशेष के बेहतर प्रबन्धन एवं अवशेषों को न जलाने जैसे महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा की गयी। लगभग 50 हेक्टेयर गेहूँ के सुपर हैप्पी सीडर के प्रदर्शन कराये गये जिससे किसानों के खेतों की उपज में बढ़ोत्तरी होने के साथ ही मृदा में जीवांश में भी बढ़ोत्तरी हुई एवं मृदा में सुधार हुआ।

६२. मधुमक्खी पालन हेतु आयपरक कृषि व्यवसाय

कृषि विज्ञान केन्द्र, फतेहपुर में मधुमक्खी पालन पर 07 दिवसीय 05 प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन पृथक–पृथक दिवसों पर कार्यक्रम तैयार कर किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनपद के 25–25 किसानों के बैच चलाये गये। इस आयपरक प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षुकों को मौन पालन के विभिन्न विषयों पर केन्द्र पर तैनात विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान देकर कुल जनपद के 125 प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान एक्सपोजर विजिट में लाइव प्रदर्शन भी कराया गया एवं रोजगार सृजन हेतु अंत में प्रशिक्षण, प्रमाण पत्र और एक मधुमक्खी पालन बॉक्स अपने स्वयं के स्टार्टअप के लिए प्रदान किया गया।

६३. कृषकों की आमदनी में दोगुनी होने में पशुपालन प्रबन्धन एवं दुग्ध उत्पादन का महत्व

भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि एवं पशुपालन का विशेष महत्व है। सकल घरेलू कृषि उत्पाद में पशुपालन का 28–30 प्रतिशत का योगदान सराहनीय है जिसमें दुग्ध एक ऐसा उत्पाद है जिसका

योगदान सर्वाधिक है। छोटे, भूमिहीन तथा सीमान्त किसान जिनके पास फसल उगाने एवं बड़े पशु पालने के अवसर सीमित है, छोटे पशुओं जैसे भेड़–बकरियाँ, सूकर एवं मुर्गीपालन रोजी–रोटी का साधन व गरीबी से निपटने का आधार है एवं कृषकों की आय दोगुनी करने में महत्वपूर्ण भूमिका है। कम खर्चे में, कम स्थान एवं कम मेहनत से ज्यादा मुनाफा कमाने के लिए छोटे पशुओं का अहम योगदान है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के अधीन संचालित 11 कृषि विज्ञान केन्द्रों में आजादी के अमृत महोत्सव की श्रृखला में लाभदायक डेयरी फार्मिंग और पशुधन प्रबंधन विषय पर किसानों के क्षमता विकास हेतु तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 40–40 प्रशिक्षणार्थियों के बैच बनाकर तीन दिवसीय 05 प्रशिक्षण कराये गये जिसमें जनपदों के कुल 800 प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षित कर लाभान्वित किया गया।

६४. जलवायु के अनुसार सहनशील किस्में एवं तकनीकियाँ

आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत देश के ओजस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी ने देश को समर्पित किया। इस अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री जी ने कहा बेहतर परिणाम पाने के लिए किसानों व वैज्ञानिकों के मिलजुल कर काम करने से देश को नई चुनौतियों से निपटने में मजबूती मिलेगी। जब भी किसानों व कृषि को सुरक्षा कवच मिलता है। तो उनका विकास तेजी से होता है। कार्यक्रम में वर्चुअल शामिल हुए माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी ने कृषि विश्वविद्यालयों को ग्रीन कंपस एवार्ड वितरित किए। साथ ही उन किसानों से सीधा संवाद किया जो नवोन्मेषी कृषि तकनीकों का उपयोग करते हैं। कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र के विभिन्न मंत्रालयों की योजनाएं देश के हर वर्ग के छोटे तबके को ध्यान में रखते हुए बनाई जाती हैं। जिससे उन्हें सीधा लाभ मिल सके। कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री श्री कैलाश चौधरी, आईसीएआर के महानिदेशक डॉ त्रिलोचन महापात्रा, सभी संस्थानों के निदेशक, कुलपति, सांसद, अधिकारी, कृषि वैज्ञानिक एवं किसान उपस्थित रहे। इस कड़ी में प्रत्येक कृषि

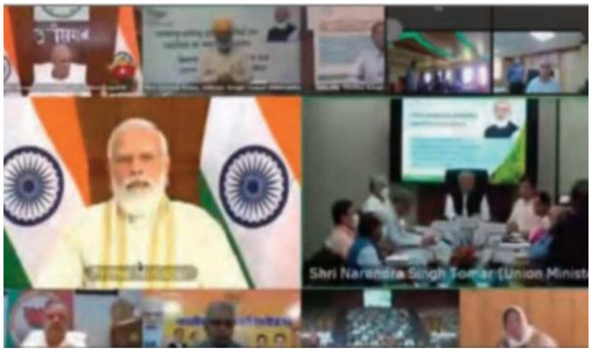

विज्ञान केन्द्र पर इस कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया एवं कृषक–वैज्ञानिक संवाद गोष्ठी कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम के उपरान्त प्रक्षेत्र भ्रमण भी कराया गया। इस कार्यक्रम में कुल 1403 कृषकों महिला कृषकों ने प्रतिभाग किया।

६५. अनुसूचित जाति के छोटे किसानों के लिए विशेष प्रयास एवं तकनीकियाँ

अनुसूचित जाति के छोटे किसनों हेतु वृहद रूप से कार्ययोजना बनाकर जनपद रायबरेली एवं हरदोई के 5 गांव के कुल 200 किसानों का चयनकर समस्त किसानों के यहां पर प्रदर्शन, प्रशिक्षण, आन फार्म ट्रायल तथा गोष्ठी एवं मेला का आयोजन किया गया। साथ ही समस्त 400 किसानों का खेतीबाड़ी से सम्बन्धित यंत्रों यथा कोनोबीडर, डस्टर, स्प्रेयर, खुर्पी, हसिया, ग्रासकटर के साथ–साथ प्रत्येक परिवा को दो–दो बकरी के बच्चों का वितरण किया गया। जिसका प्रभाव किसानों के मध्य उत्साहवर्धक रहा।

६६. जनजातियों (भूमिहीन) कृषकों के लिए विशेष प्रयास एवं तकनीकियाँ

आजादी के अमृत महोत्सव की श्रंखला में विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केन्द्र लखीमपुर खीरी द्वारा जनपद लखीमपुर के अन्तिम छोर नेपाल देश के बार्डर से सटे हुए क्षेत्र जिसमें 5 गांव के

200 जनजाति परिवारों को चयन कर उनके आर्थिक एवं सामाजिक उच्चीकरण हेतु मधुमक्खी पालन, मत्स्य पालन, बकरी पालन, पशुपालन, मशरूम उत्पादन आदि महत्वपूर्ण रोजगारपरक विषयों पर गहन प्रशिक्षण कृषि विज्ञान केन्द्र, लखीमपुर खीरी के विषयगत वैज्ञानिकों द्वारा दिया गया। प्रत्येक परिवार को व्यवसाय से जोड़ने के लिए 5–5 मधुमक्खी पालन हेतु डिब्बे, बकरियों एवं मछलियों के बच्चे समय–समय पर उपलब्ध कराये गये। साथ ही जनजाति समूहों द्वारा उत्पादित सामग्रियों के विपणन की व्यवस्था भी कृषि विज्ञान केन्द्र के माध्यम से की गयी। जिससे जनजाति के परिवारों में उत्साह एवं आपसी प्रतिस्पर्धा भी विकसित हुई।

६७. महिला अध्ययन केन्द्र स्थापित कर महिलाओं में जन चेतना विकास

आजादी के अमृत महोत्सव के अर्न्तगत भारतवर्ष के प्रथम बायोफोर्टीफाइड गाँव अनूपपुर, कानपुर देहात के ग्राम–अनूपपुर में स्थापित महिला अध्यन केन्द्र द्वारा अब तक 12 महिला कार्यक्रमों जैसे– महिला स्वास्थ्य जागरूकता गोष्ठी, महिला सशक्तीकरण हेतु विभिन्न व्यवसाय, गर्भवती महिलाओं की देखभाल, हस्तकला प्रशिक्षण, मसाला उद्योग प्रशिक्षण, सिलाई मशीन विवरण कार्यक्रम, मिट्टी के बर्तनों का उपयोग, महिला सशक्तीकरण गोष्ठी, कुकुट पालन, महिला ग्राम प्रधान गोष्ठी, अन्तर्राष्ट्रीय न्याय दिवस, वृहद कोविड–19 टीकाकरण अभियान कराये जा चुके है। जिसमें कुल 803 ग्रामीण महिलाओं को लाभान्वित किया गया है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति महोदय ने कार्यक्रम में उपस्थित चयनित महिलाओं को उनके स्टार्टअप हेतु सिलाई मशीन वितरित किया। कार्यक्रम को लेकर ग्रामीणों के मध्य अत्यन्त हर्षोंल्लास रहा।

६८. चयनित माडल गांव में विशेष स्वच्छता अभियान

स्वावलम्बी, आत्मनिर्भर गाँव की परिकल्पना को स्थापित करने हेतु कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा अंगीकृत 28 डी0एफ0आई0 विलेज को मॉडल गाँव बनाने जाने हेतु चौपाल बैठक/चर्चा/पी0आर0ए0 आयोजित किया गया। वृहद स्तर पर स्वच्छता अभियान चलाये गये। विभाग से समन्वय स्थापित कर गांवों में जल निकास एवं बाड़े में पोषण वाटिका एवं पशुधन की सुरक्षा जैसे विषयों पर प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण के साथ–साथ कई जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर ग्रामीणों को जागरूक किया गया। कृषकों की आय दोगुनी करने हेतु रोजगार से जोड़ने कई स्टार्टअप हेतु जैसे मौनपालन, मशरूम उत्पादन, बकरी व पशुपालन पर प्रशिक्षण दिये गये।

६९. वृक्षारोपण अभियान के अन्तर्गत हीरक जयन्ती

वृक्षारोपण अभियान के अन्तर्गत हीरक जयन्ती के अवसर पर कुल 75000 वृक्षों का रोपण कराया जा रहा है। 60000 वृक्षों का रोपण बोझा, दलीपनगर फार्म पर विश्वविद्यालय के प्रत्येक अधिकारी/वैज्ञानिक एवं कर्मचारी द्वारा पौधे रोपित किए गये तथ इसी कड़ी में 13000 पौधे समस्त कृषि विज्ञान केन्द्रों के प्रक्षेत्रों पर और 2000 वृक्षारोपण विश्वविद्यालय मुख्य परिसर में कराया गया। साथ ही पीपल के 404 पौधें एवं अन्य 4417 पौधें कृषि विज्ञान केन्द्रों के प्रक्षेत्रों पर लगाये गये। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रदेश के माननीय कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान राज्य मंत्री श्री लाखन

सिंह राजपूत जी ने स्वयं वृक्षारोपण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि माननीय कृषि राज्य मंत्री जी ने अपने संबोधन में कहा कि वृक्षारोपण का उद्देश्य विश्वविद्यालय के प्रक्षेत्र के साथ–साथ आसपास के क्षेत्र को हरा–भरा व स्वच्छ रखना है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा 60 हजार वृक्ष लगाकर समाज को संदेश दिया है कि वातावरण को संरक्षित कर अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

७०. कृषकों की सहभागिता से दलहनी बीजों का बीजोत्पादन

इस वर्ष आजादी के अमृत महोत्सव पर विश्वविद्यालय की एक अनूठी पहल हुई। भारत सरकार द्वारा स्वीकृत नवीनतम योजना Creation of Seed hubs for increasing indegineous production of pulses in India under NFSM” के अन्तर्गत कृषि विज्ञान केन्द्र, थरियांव, फतेहपुर में स्थापित दलहन सीड हब के अन्तर्गत कृषकों के सहभागिता से ग्राम–गढ़ी के कृषकों द्वारा बीज उत्पादन से अच्छी गुणवत्ता एवं प्रजाति का का उत्पादन 67.5 कु0 मसूर एवं चना का उत्पादन 18 कु0 कराया गया। बीज गुणवत्ता आंकलन भी किया गया। बीज दर निर्धारित कर सहमति के साथ न्यूनतम सर्मथन मूल्य व बाजार भाव से 10 प्रतिशत अधिक दर पर कृषकों को भुगतान भी किया गया। इस तरह जनपद में कृषि विज्ञान केन्द्र की एक अलग ही छाप बन रही है। जिसे जनपद स्तर पर सराहा भी जा रहा है।

७१. गुणवत्तायुक्त कृषि निवेशों की आपूर्ति हेतु इनपुट डीलर्स का एक दिवसीय प्रशिक्षण

राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबन्ध संस्थान (मैनेज) हैदराबाद द्वारा ''डिप्लोमा इन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन सर्विसेज फार इनपुट डीलर्स (DAESI) विषय पर एक वर्षीय कार्यक्रम तैयार किया गया है जिसमें वह डीलर्स जिनकी शिक्षा स्नातक (कृषि/रसायन विज्ञान) नहीं है उनको यह डिप्लोमा दिलाकर उनके लाइसेन्स जारी रखने का प्राविधान किया गया है। प्रदेश स्तर पर राज्य कृषि प्रबन्ध संस्थान, रहमान खेड़ा, लखनऊ के दिशा निर्देशन में विगत वर्षो की इस वर्ष भी आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत 40–40 इनपुट डीलर्स के बैच में 48 सप्ताह के कोर्स का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न विषयों पर 80 लिखित क्लास और 08 प्रायोगिक क्लास (प्रक्षेत्र भ्रमण सहित) कराकर परीक्षा के साथ परिणाम हेतु मैनेज हैदराबाद भेजकर उत्तीर्ण इनपुट डीलर्स को प्रमाण पत्र द्वारा दिये गये।

७२. आधुनिक कृषि में ड्रोन का उपयोग

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के विद्यार्थी प्रयोग प्रक्षेत्र पर आईआईटी कानपुर एवं कृषि विभाग के संयुक्त तत्वाधान में वे टू प्रेसीजन एग्रीकल्चर के अंतर्गत आज ड्रोन के प्रयोग का सजीव प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कानपुर मंडल के मंडलआयुक्त डॉ राजशेखर एवं विशिष्ट अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ डीआर सिंह उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि ने हरी झंडी दिखाकर ड्रोन को रवाना किया। किसानों की आय एवं उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए कृषक उत्पादन

संगठनों तथा किसानों की उपस्थिति में ड्रोन द्वारा प्रक्षेत्र पर नैनो यूरिया खाद के छिड़काव के सजीव प्रदर्शन का शुभारंभ मुख्य अतिथि मंडल आयुक्त कानपुर डॉ राजशेखर एवं विशिष्ट अतिथि कुलपति चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर डीआर सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर आईआईटी कानपुर के विशेषज्ञ श्री सुब्रमण्यम जी द्वारा उपस्थित कृषकों तथा कृषक उत्पादन संगठन के प्रतिनिधियों को ड्रोन की तकनीक एवं उसके प्रयोग में ली जाने वाली सावधानियों तथा उपयोगिता के संबंध में बताया गया। इस अवसर पर कृषि विभाग के अधिकारियों ने कृषि के क्षेत्र में ड्रोन के प्रयोग के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि एफपीओ को कृषि ड्रोन प्रदर्शन हेतु ड्रोन एवं उसके सहायक यंत्रों के क्रय करने पर 75% अथवा अधिकतम रुपया 7 लाख पिचहत्तर हजार जो कम हो देय होगा। कृषि उत्पादक संगठनों को इंदिरा गांधी उड्डयन अकादमी फुरसतगंज रायबरेली अथवा इफको कृषि ड्रोन प्रशिक्षण से लाइसेंस प्राप्त करना अनिवार्य होगा। ड्रोन के माध्यम से 8 घंटे में 30 हेक्टेयर क्षेत्र में कृषि रक्षा रसायनों एवं उर्वरकों का छिड़काव करके कम रसायन से अधिक क्षेत्र व लागत में कमी लाते हुए आय में वृद्धि की जा सकेगी। इस नई तकनीक के प्रयोग से सब्जियों फलों एवं उद्यानिकी फसलों में भी 10 मीटर की ऊंचाई तक फसलों में लगने वाले कीट रोगों के नियंत्रण में सुगमता प्राप्त होगी। मंडलायुक्त डॉ राजशेखर ने बताया कि कृषि के क्षेत्र में कृषक उत्पादक संगठनों के माध्यम से ड्रोन के प्रयोग से माननीय प्रधानमंत्री जी के सपनों को साकार किया जाएगा।

७३. बेरोजगार नवयुवको के रोजगार सृजन हेतु तकनीकी पखवाड़े का आयोजन

गत वर्ष की भांति आत्मनिर्भर गाँव, स्वावलम्बी खेती, स्वरोजगार सृजन एवं पोषण प्रबन्धन आधारित कृषि तकनीकी प्रसार पखवाड़ा 03–17 अक्टूबर, 2021 की अवधि में विश्वविद्यालय के प्रसार निदेशालय द्वारा आयोजित किया गया। जनपदों के गांव–गांव, खेत–खेत एवं किसानों तक खेती, पशुपालन व उद्यान तथ पोषण सुरक्षा के 15 विषयों पर 50 से अधिक कृषि वैज्ञानिकों की वार्ता कराकर तकनीकी पहुचाने का कार्य किया गया। रबी फसलों के बीज भी कृषक ले इस उद्देश्य से 15 दिवसीय कृषि तकनीकी प्रसार पखवाड़ा का आयोजन किया गया। कृषकों ने प्रशिक्षण वार्तायें बहुत प्रभावी ढंग से सुनी आपने सुझाव भी रखा। अन्त में कहा कि ये पखवाड़ा बहुत ही उपयोगी है। इस पखवाड़े में जनपद में स्थित कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा कृषकों को लाया गया लगभग 940 कृषक सीधे लाभान्वित हुए। तकनीकी प्रसार के कौशल, आवश्यकता एवं जनपदवार कृषि की तकनीकी पहुँचाने हेतु प्रभावी जानकारी दी गयी।

७४. 94वां स्थापना दिवस और आईसीएआर और डीएफआई समारोह कार्यक्रम

आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित समस्त 15 कृषि विज्ञान केन्द्रों पर 94वां स्थापना दिवस और आईसीएआर और डीएफआई समारोह कार्यक्रम दिनांक जुलाई 16, 2022

को मनाया गया। इस अवसर पर केन्द्रों पर सजीव प्रसारण की व्यवस्था की गयी।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) की स्थापना 16 जुलाई 1929 को हुई थी। इस अवसर पर, केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कारों की घोषणा की और आईसीएआर के प्रकाशनों का विमोचन किया। इस अवसर पर सभी केवीके नेएक

कार्यक्रम आयोजित किया, इस कार्यक्रम में फाउंडेशन का ऑनलाइन प्रशिक्षण और लाइव टेलीकास्ट भी किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 2327 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया जिसमें 1611 किसानों तथा 547 महिला किसानों ने के साथ–साथ 44 जनपदीय जनप्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया। इस कार्यक्रम में किसान की आय दोगुनी करने वाले किसान को आमंत्रित कर उनके द्वारा अनुभव साझा किए गये और अन्य किसानों को केवीके की मदद से इस स्तर को हासिल करने के लिए प्रोत्साहित किया।

७५. नैक एक्रीडिटेशन मे 'बी' ग्रेड पाने पर श्री राज्यपाल, उ०प्र० एवं कुलाधिपति द्वारा राजभवन में सम्मान समारोह

चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय ने नैक मूल्यांकन में सफलता प्राप्त करने पर प्रदेश की राज्यपाल महोदया एवं कुलाधिपति श्रीमती आनन्दीबेन पटेल द्वारा राजभवन, लखनऊ में विश्वविद्यालय की नैक मूल्यांकन समिति का मार्गदर्शन एवं अभिनंदन कार्यक्रम

आयोजित कर कुलपति के सफल प्रयासों की बहुत सराहना करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। हर्ष की इस बेला सभी सम्मानित गणों ने राजभवन में राज्यपाल महोदया की गरिमामयी उपस्थिति के साथ राजभोज्य भी किया। यह विश्वविद्यालय के लिए एतिहासिक क्षण रहा तथा सभी ने बहुत ही गर्व महसूस किया। महोदया ने समिति के अन्य सदस्यों से उनके सुझाव एवं नैक टीम के मूल्यांकन के दौरान हुए विभिन्न अनुभवों के विषय में जानकारी हासिल की।

आजादी का अमृत महोत्सव की श्रृंखला में राजभवन से मिला अपार स्नेह एक सौगात के रूप में साबित रहा। जिसके लिए कुलपति महोदय ने विश्वविद्यालय के नैक एक्रीडिटेशन से जुड़े सभी प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से सम्मिलित अधिकारी गण एवं कर्मचारी गण को बहुत–बहुत बधाई एवं धन्यवाद देकर खुशियाँ मनायी गईं।

(हिन्दी दैनिक) R.N.I. No. Utthin/2018/76731

(गांव देहात की खबर, शहर पर भी नजर)

दि ग्राम टुडे

उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश से एक साथ प्रसारित

वर्ष : 05 अंक : 02 देहरादून, गुरुवार, 14 जुलाई 2022 पृष्ठ: 12

नैक मूल्यांकन सफलता पर प्रदेश की कुलाधिपति राज्यपाल ने सीएसए कुलपति को दिया प्रशस्ति पत्र

नैक मूल्यांकन में सफलता पर सीएसए को मिला सम्मान

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर 14/07/2022

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने नैक मूल्यांकन में सफलता प्राप्त की है। जिसको लेकर प्रदेश की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल द्वारा राजभवन लखनऊ में विश्वविद्यालय की नैक मूल्यांकन समिति का मार्गदर्शन एवं अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता स्वयं राज्यपाल ने की।

नैक मूल्यांकन समिति को सम्मानित करती राज्यपाल ● जन एक्सप्रेस

कार्यक्रम में राज्यपाल के अपर मुखय सचिव महेश कुमार गुप्ता द्वारा नैक मूल्यांकन के सात बिंदुओं पर विश्वविद्यालय द्वारा अर्जित स्कोर की समीक्षा की गयी। कुलाधिपति ने विश्वविद्यालय द्वारा अच्छा स्कोर अर्जित करने वाले बिंदुओं पर प्रशंसा की तथा कम अंक प्राप्त करने वाले बिंदुओं पर विवेचना करते हुए भविष्य में इसके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए रणनीति पर चर्चा की। कुलाधिपति ने विश्वविद्यालय के नैक टीम के मूल्यांकन में प्रथम प्रयास को सराहनीय बताते हुए इसी तरह कार्य करने को प्रेरित किया।